बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा

अधिन्यास कार्य तिथि - २०.०४.२०२०

विषय- कहानी उपविषय - पापा की सुंदर गेंद

पाठ का सार :- लेखक के पापा जब छोटे थे।उनके माता - पिता ने उन्हें एक बहुत सुंदर गेंद दी।पापा को अपनी गेंद पर घमंड हो गया।वे अपनी गेंद से अकेले खेलते थे। अपने दोस्तों को उसे हाथ नहीं लगाने देते थे। एक दिन उन्होंने लड़कों की बातों में आकर अपनी गेंद मोटर के नीचे फेंक दी। मोटर के पहिये के नीचे आकर गेंद फट गई। पापा के चाचा ने उन्हें एहसास दिलाया कि वे लालची और शेखीखोर नहीं बनेंगे। तब उन्होंने पापा को नई गेंद दिलाई। अब पापा गली के लड़कों के साथ मिलकर गेंद से खेलने लगे।

सीखिए:-

शब्द अर्थ

एकटक- ध्यान से

पेंदा- तला

नाज़- गर्व

जलाना- चिढ़ाना

चीथड़ा- फटा-पुराना कपड़ा

शेखीखोर- झूठी शान बघारनेवाला

आओ शब्द बनाएँ:-

वर्ण चुनकर शब्द बनाइए।

गें	ट	ज	र	मो
बी	गु	सू	घा	
ला	द	स	र	

1.______________ 2.______________

3.______________ 4.______________

5.________________

नोट:- यह कार्य उत्तर पुस्तिका में करें।